HR14-1-1-HI

विज्ञान जानता है कि संसार की शुरुवात है भाग 1

आज द जॉन एंकरबर्ग शो में, आधुनिक विज्ञान खोज निकलता है कि संसार की एक शुरवात है, इस खोज को किस तरह उपयोग कर सकते हैं? ये वचन कि आदि में परमेश्वर ने आकश और पृथ्वी की सृष्टि की, वो वही बताता है जो विज्ञान ने खोज निकाला है, एस्ट्रोनॉमर जोर्ज स्मूथ, यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफोर्निया ने घोषित किया है, हमने जो पाया है वो पृथ्वी के जन्म का सबूत है/ इन्होंने कहा कि ये परमेश्वर की ओर देखना है/

एम्पल पंजी जिन्हें फिजिक्स में नोबल प्रोइस मिला हैं कोस्मिक बैकग्राउंड रेदिएष्ण की खोज के लिए, वो कहते हैं, एस्ट्रोनॉमी हमे अद्भुत घटना की ओर लेकर जाती है, ये संसार जो शून्य में से बनाया है/ एक बहुत ही बेचिदा बाउंस जरुर थी कि सही परिस्थिति बन सके, कि जीवन को ने दे, और शायद कोइ ये ने दबा था, या कहे आलौकिक योजना/

एस्त्रोनोमार जोर्ज ग्रीन टाइन ने अपनी किताब सिम्बोलिक यूनिवर्स में कहा कि क्या ये संभव है कि अचानक बिना किसी मकसद से, हम वैज्ञानिक सबूतों पर लडखडा गयें, उस आलौकिक के अस्तित्व के बारे में,

और स्टीवन होर्किंग्स ने कहा है, ये समझाना बहुत ही मुश्किल है कि संसार केवल इसी तरह से शुरू हुआ, केवल उस परमेश्वर के काम के बिना जिसने हमारे जैसे लोग बनाने की अपेक्षा की है/

आज मेरे मेहमान हैं एस्ट्रोफ्नोमेर ह्यु रोस, जिन्होंने एस्त्रोनोमी में पि एच दी की हैं/ यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो से./ और पोस्ट डाक्टरल रिसर्च किया है, कैलटेक एक्वेज्र में/ ये बहुत सी किताबों के लेखक हैं, जिसमे इनकी नई किताब है, नैवेगेटिंग जेनिसेस/ हम न्यौता देते हैं कि हमारे साथ जुड़ जाएं/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: हमारे प्रोग्राम में स्वागत हैं, आज महान प्रोग्राम है, आप इसे चुकाना नही चाहेगे/ हम सब इस वचन से परिचित हैं, आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की/ ये अद्भुत अद्भुत वाक्य है, जिस पर आज हम चर्चा करेगे, ये कहता है, कि एक शुरुवात हुई/ इस भौतिक संसार की/ और आज मेरे मेहमान है एक एस्ट्रोनॉमर हैं, डॉक्टर ह्यू रोस, एस्ट्रो फिजिक्स एस्ट्रोनॉमर, और ह्यू आप अविश्वासी थे, और जब आपने बाइबल के इस पहले वचन को देखा, आप किससे चकित हुए कि इस संसार की एक शुरुवात है/

डॉक्टर ह्यू रॉस: मैं जिज्ञासा से भर गया, कि इस वचन के भाग का क्या अर्थ है, आकाश और पृथ्वी क्या है, तो मैंने पूरा पुराना नियम पढ़ा और जाना कि ये यूनिवर्स शब्द का उपयोग नही करता है, लेकिन ये शब्द है आकाश और पृथ्वी, इसका अर्थ है शारीरिक वास्तविकता की परिपूर्णता, सारे तत्व, उर्जा, जगह और समय में/ और सृष्टि शब्द का अर्थ है अस्तित्व में लाया, ऐसा कुछ बिलकुल नया बनाना जो पहले अस्तित्व में नही था/ याने ये असली शुरुवात थी, संसार के लिए असली शुरुवात थी,

और नए नियम में इब्रानियों 11:3 में, ये बताता है कि यह नही कि जो कुछ देखने में आता है, वह देखी हुई वस्तुओं से बना है. क्योंकि हम मनुष्य तत्व, उर्जा, जगह और समय को पहचानते हैं/ तो ये हमें बताता है कि परमेश्वर समय और जगह से परे है, जिसने इस संसार को बनाया है, एक निश्चित शुरुवात में, कुछ गिने जानेवाले समय पहले/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: और सबसे अद्‌भुत बात है, ये बाइबल वचन, जो हजारों साल पहले लिखा गया है, आधुनिक विज्ञान के आने से बहुत पहले, और सच में वो इस शुरुवात के लिए डटे रहे, हमे बताइए कि वो क्यों डटे रहे, और वो सहमत नही हुए जब तक कि ये सक न हो किस साल में?

डॉक्टर ह्यू रॉस: खेर 19 वी सदी में, संसार को देखने का दृष्टिकोण बदला, वो दूसरी शुरवात के साथ गिना जानेवाला था, ये 20 वी सदी की शुरुबत की बात थी, खासकर पहले अलबर्ट का धन्यवाद, जिन्होंने जाना कि हाँ संसार की एक शुरुवात है/ और इसके कारण साइंटिफिक कम्युनिटी से प्रतिउत्तर मिला/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: और वो हर चीज के लिए शुरुवात क्यों नही चाहते थे?

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, उन्होंने जाना कि वो जो खोज कर रहे थे वो बाइबल जो सीखते है उससे मिलता था, तो उन्होंने कहा कि क्या संसार को देखने का कोई और तरीका है, जहाँ हम इस बाइबल के अनुवाद के साथ अटके न रहे, इस संसार के लिए/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ठीक हैं इस प्रोग्राम की शृखला में, हम आपको कुछ अद्‌भुत साइंस क्लिप्स दिखाएँगे, ह्यू की डॉक्युमेंट्री मूवी से/ जर्नी टुवर्ड क्रिएशन से/ ये आप के लिए उप्लब्ध है, ये नई और अप डेटेड है/ अब मैं चाहता हूँ कि आप देखे कि हम क्या चर्चा कर रहे हैं/ जब बाइबल कहती है कि एक शुरुवात थी, आरंभ था, संसार के लिए/ इसी तरह से एस्ट्रोनॉमर इसे देखते हैं, इसे देखीए/

जरनी टुवर्ड क्रिएशन से क्लिप

हम तो यात्री हैं एक नियंत्रित और उद्देश से भरे विस्फोट के, जैसे मानो हम माइक्रोम है जो शयप्लम पर लिखे जा रहे हैं/ इस विस्फोट में/ सारा संसार तो तत्व, उर्जा और जगह और समय है/ ये सब एक ही पल में अस्तित्व में आया, लेकिन गडबडी के इस विस्फोट से दूर ये शुरू का विस्फोट बहुत ही ट्यून दिखने लगा, जैसे कि ये हमारे लाभ के लिए बनाया गया है/ इस ग्रह में/ आज हमारा ज्ञान आकाश और पृथ्वी के बारे में और उन पर प्रभाव डालनेवाली चीजों में, ये तो पहले की सारी पीड़ियों से बहुत ही ज्यादा है/ और हमारे चकित होने की बात तो हर प्रकाशन के साथ बढ़ते जाता है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ह्यू हम जो देख रहे हैं ये बहुत ही अद्‌भुत है, हम जो देख रहे हैं उसे पूरी तरह नही समझ पाते हैं, हम केवल विचार ले रहे हैं और इस प्रोग्राम में जो क्लिप हम आगे दिखाएँगे, वो ज्यादा टेकनिकल रूप में दिखाएगा/ लेकिन सरल शब्दों में, याने ये संसार बनाया गया एक ही पल में/ ये तो हमारे मन में उतरना भी बहुत मुश्किल है/ तो किस तरह से एस्ट्रोनॉमर, याने इतिहास क्या है कैसे इस जगह तक आए और वो क्यों प्रतिक्रिया करते हैं, इसके विरुध्द में जो दिखता है कि इस के पीछे सृष्टिकर्ता है/

डॉक्टर ह्यू रॉस: खैर, दो पॉइंट्स हैं, एक तो शुरू के बारे में है, यदि शुरवात है तो शुरू करनेवाला भी होगा/ लेकिन ये बात तो इन के लिए सही फिट नही दिखती थी/ लेकिन एक बात जो उन्हें परेशान करती थी कि ये शुरुवात ज्यादा पुरानी नही है/ केवल कुछ बिलियन्स साल पहले, और जो भी एल्युजन जो बायलोजिस्ट के पास हैं, उनके दृष्टिकोण से ये केवल कुछ बिलियन्स साल पहले हुआ है/ और किसी तरह से वो जीवन के बारे में डारवेनियन अर्थ को नही समझ पाएं/ तो वो एक तो शुरुवात को छोड़ना चाहते थे, या यदि उनकी शुरुवात है, तो निश्चित करना कहते थे कि ये करोड़ो साल पहले हुई होगी/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: लोगों को बताइए कि कैसे होबल ने इन चीजों की शुरुवात की, गेलेक्सी की ओर

देखने के रूप में/

डॉक्टर ह्यू रॉस: उन्होंने यही जाना कि गेलेक्सी जितनी दूर है वो हम से उतनी ही दूर हटते जा रही है/ और ये प्रपोर्शन तो केवल तब सही होगा जब यूनिवर्स निरंतर बढ़ते जाता है, जगह, समय और शुरुवात से/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: क्योंकि यदि हम पीछे जाए तो क्या होगा?

डॉक्टर ह्यू रॉस: यदि हम पीछे जाएं तो गेलेक्सी और सबकुछ एक साथ था/ और हम हमारे पास हबल इमेजसे हैं जो हमें दिखाते हैं कि जितना ज्यादा दूर देखे उतनी ज्यादा ये गेलेक्सी जैम दिखती है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: और इस बात में आइन्सटाइन ने क्या कहा?

डॉक्टर ह्यू रॉस: खैर वो जनरलटीविटी कि थेयरी लेकर आएं, याने जनरलटीविटी का इक्वेशन था, जो उन्होंने देखा वो बताते हैं कि संसार की शुरुवात है, और संसार उस शुरुवात के बाद से बढ़ते चला गया है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: और उन्हें खुद के निष्कर्ष पसंद नही आएं, हैं ना?

डॉक्टर ह्यू रॉस: उन्हें पसंद नही आया तो उन्होंने अपनी थेयरी को बदल दिया, कि शुरुवात से और बढने से पीछा छुड़ा ले/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: और होबल उन्हें, केलिफोर्निया में लेकर आएं और उन्हें दिखाया टेलिस्कोप से क्या दिखाया/

डॉक्टर ह्यू रॉस: उन्होंने यही दिखाया कि बढने के बारे में वो जो कह रहे थे, जिसे हम गैल्क्सी के दूर होने के भाग में देखते हैं/ और तक आइन्सटाईन ने कहा मैं अपनी थेयरी में बदलाव ला रहा हूँ/ ये मेरा सबसे बड़ा साइंटिफिक वंडर होगा/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, ये देखीए, याने आइन्स्टाइन के बाद में बड़ा कौन हैं?

डॉक्टर ह्यू रॉस: उनके बाद में जो बड़े थे, वो लोग जो इंस्ट्रूमेंट बना रहे थे कि कोस्मिक क्रिएशन के रेडिएशन को देख सके/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: क्यों?

डॉक्टर ह्यू रॉस: खैर जब संसार बढ़ते जाता है, जगह, समय और शुरुवात से, तो इसका अर्थ है कि ये जैसे पुराना और पुराना होता है ये ठंडा और ठंडा होते जाएगा, और इसलिए इन रेदिएशन को पहचाना चाहिए, सृष्टि की घटना से, जब कि संसार इतना पुराना हो गया था कि उन्होंने जाना कि ये बहुत कमजोर होगा, याने इसके लिए सोफेस्टिकेटेड टेक्नोलॉजी लगी, कि इन रेडिएशन को जांच सके/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: याने कोबी वन कोबी टू यही सेटलाईट थे जिन्होंने संसार के बैक ग्राउंड रेडीएशन की तस्वीर ली?

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, हमारे पास उसके पहले के टेम्परेचर के मेजरमेंट थे, पेन्जिस और विल्सन से, लेकिन कोबी ने पहली बार दिखाया, जब युनिवर्स कोल्ड स्पॉट और हॉट स्पॉट से अलग होने लगा/ और फिर हमारे पास सलोन डिजिटल स्काई सर्वे आया, जो हमें गैल्क्सी के क्लस्टर दिखता है, जिसे हम हॉट स्पॉट के प्रतिउत्तर के रूप में कोस्मिक बैक ग्राउंड रेदिएशन में देखते हैं, और कोल्ड स्पॉस्ट को वॉयड करते हैं/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: खैर ये बताइए क्या ये बाइबल से है, कि ये सच है कि संसार ठंडा और ठंडा होते जाता है/

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, जरुर, मतलब बाइबल हमें बताती है कि यूनिवर्स जगह, समय और शुरू से बढ़ते जा रहा है/ फिजिक्स के कांस्टेंट लॉ के तहत, और उन में से एक लॉ है नाश होने का नियम/ जैसे मैंने कहा कि थर्मो डायनैमिक का तीसरा नियम ये कहता है, यूनिवर्स तो ठंडा और ठंडा होते जाएगा, बहुत ही रफ्तार के साथ/ अब हमारे पास युनिवर्स के पिछले टेम्प्रेचर के मेजरमेंट हैं, जो सिद्ध रूप में बाइबल जैसे ठंडे होनेवाले संसार के बारे में बताती है उससे मेल खाता है/ एक बारे यूनिवर्स की उम्र जाने के बाद में/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: बताइए कि इस में टोपर क्या था कहिए पिछले 5 साल में, जो इस सत्य में सबूत जोड़ते जाता है कि ये हुआ है, इसे के बिना नही होगा?

डॉक्टर ह्यू रॉस: शायद सबसे महत्वपूर्ण बात तो ये ठंडा होने का कर्व है, जिसे वो गिन सके हैं/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: और उन्होंने चार्ट भी बनाया/

डॉक्टर ह्यू रॉस: उन्होंने इसका चार्ट बनाया है, और दूसरी बात तो ये है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: उन्होंने चार्ट में क्या पाया/

डॉक्टर ह्यू रॉस: वो तो टेम्परेच को गिन सके, कोसमीक क्रिएशन के रेडीएशन से/ कोस्मिक इतिहास में अलग अलग समय में इसे देखा, और आज 14 अलग अलग मेजरमेंट हैं, संसार के टेम्प्रेचर के बारे में, जो इस संसार से लिया गया है/ और ये मेजरमेंट सही तरह से फिट होते हैं, जिसके बारे में बाइबल में बताया गया है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ठीक शायद ये पूछे कि एस्ट्रोनॉमर इसे कैसे जानेगे/ हम आपको क्लिप दिखाएँगे जर्नी टुवर्ड क्रिएशन से/ ये बताता है कि एस्ट्रोनॉमर क्या करते हैं, और वो कैसे भूतकाल को देखते हैं, ये शायद आपको अजीब लगे, आप भूतकाल को देखते हैं, आप भूतकाल को किस तरह देखते हैं?

डॉक्टर ह्यू रॉस: खैर, लाईट में फायनाईट वेलोसिटी होती है/ याने ये वो समय है जो दुसरे गैलेक्सी से लाईट को हमारे टेलिस्कोप तक आने के लिए लगनेवाला समय है/ याने हम उन गैलेक्सी को देखते हैं जैसे वो लाईट जाने के समय थी/ वो अब जैसे हैं वैसे नही/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: याने जब हम सूरज को देखते हैं, याने सच में 8 मिनट पहले का सूरज देख रहे हैं, लाईट को यहाँ आने में इतना समय लगता हैं, यदि गैलेक्सी के दुसरे तारों को देखना चाहेगे तो ज्यादा समय होगा, लाईट यहाँ आने के लिए/ हम सच में इसे दखे सकते हैं, जैसे हम टेलिस्कोप को एडजेस्ट करते हैं/

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, हम सच में देख सकते हैं, याने जब समय शुरू हुआ था उस समय को भी/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: मैं इस क्लिप में यही दिखाना चाहता हूँ/ इसे देखीए/

जरनी टुवर्ड क्रिएशन से क्लिप

डॉक्टर ह्यू रॉस: ये केक ओब्सरवेटरी है, दुनिया का सबसे बड़ा ऑप्टिकल टेलीस्कोप, इन दोनों टेलिस्कोप से हम माउंट पोलिमार टेलिस्कोप से आठ गुना ज्यादा क्लेक्टिंग एरिया देख सकते हैं/ और हबल स्पेस टेलिस्कोप से ३० गुना ज्यादा, केक टेलिस्कोप तो 36 इंडीपेंडनटली ड्रिवन मिरर हैं/ कम्प्यूटर से इन मिरर की मूवमेंट पर कंट्रोल किया जाता है, और ये मिलकर एक 400 इंच के जायगेनटीक टेलिस्कोप जैसे काम करता है, और बहुत ही सटीकता से मोलिक्युल थिकनेस को भी बताता है, इसके जैसे लाईट और रेडियो वेव गैदरिंग इंस्ट्रूमेंट से, हम स्पेस में बिलियन लाईट यीअर तक देख सकते हैं, जो कोसमोस के लिमिट तक देखना है/

क्योंकि जैसे हम स्पेस में देखते हैं तो हम समय में पीछे देखते हैं, यही पर एस्ट्रोनॉमी विज्ञान से अलग होती है, क्योंकि केवल यही भूतकाल को दिखाती है/ सच्चाई तो ये है, एस्ट्रोनोमर हमेशा भूतकाल को देखते हैं/ लाइट वेव, रेडियो वेव और हर तरह के इलेक्ट्रो मैग्नेटिक वेव, जो तुरंत पहुचते हुए दिखती है, लेकिन ऐसा नही होता है, ऐसा दिखता है क्योंकि वो इतनी रफ्तार से आते हैं/ लाईट स्पेस में 186 हजार मील प्रति सेकण्ड की रफ्तार से आता है, इतनी तेज कि एक सेकण्ड में पृथ्वी का साडे सात चक्कर कांट दे/

जब हम सूरज को देखते हैं, जो 93 मिलियन मील की दूरी पर है, तो हम उसे वैसे देखते हैं जैसे वो वो लाईट उसे आठ मिनट पहले निकली थी/ इसी तरह से जब हम चाँद को देखते हैं, हम उसे वैसे देखते हैं जैसे वो २ सेकण्ड पहले दिखता था/ जब हम तारों को देखते हैं, तो हम उन्हें ऐसे देखते हैं जैसे हजारों और लाखों यहाँ तक करोड़ों साल पहले जैसे देखते हैं/ चीज जितनी ज्यादा दूर हो, उतने समय पहले उसकी ज्योति स्पेस में निकली थी/

लाईट एक साल में इतनी दुरी तय करता है, लगभग 6 ट्रिलियन मील, जिसे हम लाईट यीअर कहते हैं/ लाईट यीअर तो बहुत ही सरल तरीका है जिससे हम बड़े अंतर को बता सकते हैं, एस्ट्रोनॉटिमर द्वारा बताई गई सबसे दुरी की गैलेक्सी तो लगभग 13 बिलियन लेत यीअर दुरी पर है/ इसका अर्थ है कि इन गैलेक्सी से निकली रौशनी ने 13 बिलियन वर्ष बिताएं कि पृथ्वी तक पहुंच सके, जैसे हम इस गैलेक्सी को देखते हैं और समय में पीछे देखते हैं, ये 13 बिलयन साल पहले ऐसे दिखती थी/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ह्यू ये क्लिप अद्भुत है, और मैं आप से सवाल पूछता हूँ, विज्ञान में इतनी उन्नति हो रही हैं, तो हम कितने भूतकाल में इस टेलिस्कोप से देख सकते हैं?

डॉक्टर ह्यू रॉस: पहले हम उस हद तक जा सकते थे जहाँ इस संसार वर्तमान की उम्र से ५ प्रतिशत की उम्र में था/ लेकिन अ इंस्ट्रूमेंट और रेडियो एस्ट्रोनमी है, जो हमें बताते हैं कि संसार कैसे था, जब सौ बिलियन का ट्रिलीयन्त का ट्रिलियन्त इस सेकण्ड से/ हम इतने करीब से देख सकते हैं इस कोस्मिक क्रिएशन को, और यही पर हमे ज्यदा सहमत करनेवाले सबूत मिले हैं, कि सच में संसार के लिए जगह, समय और शुरुवात होगी/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, अब हम ब्रेक लेगे और वापस आने पर आपको दिखेंगे कि साइंटिस्ट विवरण के साथ बताते हैं उस पल के बारे में जब परमेश्वर ने सबकुछ अस्तित्व में लाया था/ और वो इस घटना के बारे में क्या जानते हैं/ तो दिल थाम ले और बने रहे जल्द लौटेगे/

***

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, हम लौट आएं हैं और अद्भुत बात पर चर्चा कर रहे हैं, उत्पत्ति १:१ के बारे में कि आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की/ जब उसने सबकुछ बनाया उस पल के बारे में साइंटिस्ट क्या जानते हैं? और आज मेरे मेहमान हैं एस्ट्रोनोम्र फिजिसिस्ट, डॉक्टर ह्यू रोस और हम अब इनकी

क्लिप देखेगे, डॉक्युमेंत्रि देखेगे/ ये सृष्टि के बारे में हैं ये दिखाता है कि साइंटिस्ट ने क्या खोजा है, जैसे वो समय में पीछे गए हैं, उस पल में जहाँ परमेश्वर ने सबकुछ बनाया था/ मैं चाहता हूँ कि आप इसे देखे/

जरनी टुवर्ड क्रिएशन से क्लिप

डॉक्टर ह्यू रॉस: हमें ने मोटर ट्रांसपोर्टेशन की जरूरत है कि हमे वहां तक ले जाए, जो सृष्टि का पल था, हमारे नए साधन होगे, रेडियो और फारइन्फारेड टेलिस्कोप/ इन साधन से हम समय में पीछे देख सकते हैं गैलेक्सी के लिए/ यदि हमारी आंखे रेडियो वेव्स देख सकती, या इन्फरेड वेव्स को, तो हम बहुत आसानी से दूर की गैलेक्सी को देख पाते, लेकिन हमारी आँखे केवल इलेक्ट्रो मैग्नेटिक इमिसशन्स विजिबल लाईट वेव स्पेकट्रम में, स्पेक्ट्रम के रेडियो पार्ट की वेव्स, हमे समय में पीछे देखने देती है/ यहाँ तक कि उस से भी आगे

कोस्मिक बैक ग्राउंड रेडिएशन का ये नक्शा, ये तो सच में सृष्टि की रचना के समय निकले हुए रेडिएशन हैं, ये हमारी दृष्टी को समय में बहुत पीछे ले जाती है, और कोई टेलिस्कोप से ये संभव नही है/ हम इससे परे नही देख सकते, क्योंकि 380 हजार साल पहले, सृष्टि की घटना होने के बाद, पहले ज्योति अंधकार से अलग हुई, उस समय के पहले का दृश्य वो केवल फीचरलेस ग्लो देता है/ हम इस ग्लोब के परे नही देख सकते क्योंकि क्योंकि सृष्टि की रचना के 380 हजार साल पहले, संसार एटम के अस्तित्व के लिए बहुत ही गर्म था, इलेक्ट्रोन न्युक्लिओन के चक्कर नही काट सकता था/ क्योंकि संसार और कुछ नही केवल चार्ज पार्टिकल्स था, तो संसार इसी तरह दिखता था

उससे पहले को देखने के लिए हमे अलग साधन का उपयोग करना पडा/ पूरी तरह अलग साधन का भी/ ट्रोतिक्ल एक्सलरेटर्स, सुपर कम्प्यूटर्स और ग्रेविवेव डिटेक्टर/ और टेलिस्कोप नही/ इन मशीन से हम बहुत से शारीरिक दशा को देख सकते है, कोसमोस के शुरू के पल में/

कोसमोस के अध्यन की तुलना पटाखों के फूटने के वीडियो को पीछे प्ले करने से की जा सकती है/ जैसे हमे कोसमोस को नापते और देखते हैं, करीब और करीब उसके अस्तित्व के शुरू के पल तक/ हम टेप को पीछे ले जाते हैं, और वो सृष्टि का पल है/ जैसे हम सृष्टि की घटना के करीब में आते हैं तो हम देखते हैं की सृष्टि गर्म और गर्म होती जा रही है/ आखिर में इस बैकवर्ड री प्ले में, सृष्टि तो इतनी गर्म हो जाती है, कि प्रोटोन्स और न्युट्रोन एक साथ नही रह सकते थे/ तो सारी अटॉमिक न्यूकलीआय दूर हो जाते हैं/

चलिए आगे बढ़ते हैं जैसे हम आगे देखते कि अँधा कर देनेवाली ज्योति आती है/ ये तो सृष्टि की घटना के एक पल के बाद की है/ ये ज्योति संसार के अतत्व अचानक आने से होती है/ बिलयन भाग से भी छोटे हिस्से का बेचिदा संतुलन, तो बहुत से बिलयन एंटी पार्टिकल्स के लिए है/ बाद में बने संसार के पदार्थ के अस्तित्व की गैरनटी देते हैं/ और यही गैरंटी देता है कि ज्योति की संभावना है/

कुछ डज़न माइक्रो सेंकंड पीछे जाते हैं, सृष्टि से/ प्रोटोन, न्युट्रोन, एन्टी प्रोटोन, एंटी न्युट्रोन्स/ ये डीकमपोस होकर और भी फंडामेंटल पार्टिकल बनते हैं/ ये तो सृष्टि की घटना से १ दशांश बिलियन सेंकंड की बात है/ सृष्टि बहुत ही गर्म और घनी है/ कि कोड्र्स भी नही रह सकते थे/ और सौ बिलियन के ट्रिलियन्त के ट्रिलियन्त के ट्रिलियन्त सेकण्ड सृष्टि से/ सृष्टि तो बहुत संगठित थी कि ज्योति भी नही थी/

अब संसार तो पूरी तरह से अंधकार था/ और एक एटम से भी छोटा था/ हम सृष्टि की घटना की सटीकता को देखते हैं/ ये तो घ्त्रेवाले आयाम है लम्बाई, चौड़ाई ऊंचाई और समय का/ ये तब तक है जब तक उस समय तक नही आती, जो सेकण्ड का दस मिलियंत का ट्रिलियन्त का ट्रिलियन्त का ट्रिलियन्त की घटना है,

इस पल के पहले सारी सृष्टि बढ़ रही थी/ उस घटना के बाद,केवल चार आयाम ही बढ़ने लगे, तो बाकी स्पेशन आयाम को क्या हुआ था/ तो पूरी तरह कसाव में रहे, जो छोटे थे, एक इंच के बिलयन्त, के ट्रिलियन्त के

ट्रिलियन्त अपने ही आयाम में लंबाई, चौड़ाई, ऊंचाई और समय में/ ये बाकी 6 आयाम अभी भी अस्तित्व में हैं, लेकिन इन्हें खोलने की कोई संभावना नही है/

चलिए इसी तरह से इस पूरी फ़िल्म को पीछे ले जाते हैं/ संसार निरंतर घटता जा रहा है और दसो आयाम बन रहे हैं/ छोटे और छोटे/ क्रिएशन थ्रेश होल्ड में ही, जिसे अक्सर बिग बैंग कहा जाता है/ ये सारे दस आयाम लगभग और बहुत ही छोटे होते हैं/ और अचानक गयब होते हैं/

और इस बहुत ही छोटी शुरुवात से/ सारी सृष्टि बाहर आती है/ और हर दृष्टिकोण आता हैं ग्रह, गैलेक्सी, तारे का मास एनर्जी से संबंध और स्पेस एनर्जी डेंसिटी से, और यहां तक कि फिजिक्स के नियम भी, सावधानी से अच्छे इ ट्यून किए जाएं, सृष्टि के घटना कि जीवन को संभव कर सके/ कोस्मिक इतिहास के इस छोटे पल के लिए, हमारे इस छोटे नील डॉट पर/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ह्यू बहुत से लोग जो नही जानते उन्हें चकित करनेवाला है, लेकिन साइंटिस्ट के लिए ये संसार की शुरवात कैसे है, जो हमें उत्पत्ति १:१ में ले जाता है, ये सैन्तिफिक्ली दिखाता है, सृष्टिकर्ता याने बाइबल के प्रभु की ओर/

डॉक्टर ह्यू रॉस: अब तक हम ऑब्जरवेशन को देखते आएं हैं/ और इससे हमे थियोरेटीकल काम देखने होगे, ये सच में जनरलवीटीवीटी के इक्वेशन को ले सकते हैं और सच तो ये है कि युनिवेस में मास है, और ये थिटर बनाता हैं और ये सच में साबित करता है, कि सृष्टि की शुरुवात है/ जिस में जगह और समय की भी शुरुवात है/ जिसका अर्थ है कि जगह और समय से परे ऐसा कोई है, जिसने सारी सृष्टि को बनाया/ यदि ये बात उससे मिलती है जो बाइबल सृष्टि के बारे में सिखाती है/ संसार की दूसरी आस्थाओं की शिक्षा से अलग है/ तो इन एस्ट्रोनॉमर ने जान लिया/ कि ये सच में बाइबल के परमेश्वर की और दिखा रहा है/

और दस साल के बिच है दो एस्ट्रोनोमर ने एल्विन बोर्डे और लिंकन ने दस साल बिताएं कि इस में गलती देख सके, और उसका अंत था कि उन्होंने एक और थेरी बनाई जो यहाँ है ये कहती है, कोई भी सृष्टि जो इतिहास में बढती गई है, उसकी जगह, समय और शुरुवात होगी/ और उसका सृष्टिकर्ता है जो समय और जगह से परे है/ जिसने सबकुछ बनाया है/ और केवल व्ही सृष्टि बढती है/ उस में जीवन होता है/ तो आप जीवित सबूत हैं/ कि जरूर परमेश्वर होगा जो समय और जगह से परे है/ जिसने सारी सृष्टि को बनाया होगा/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: और क्या ये प्रभु चाहता है कि हम उसे जाने?

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी ये तो सच है कि पूरी सृष्टि इसी तरह से बनी है कि हम उसे खोज सके, सृष्टि को देखने से हमे पता चलता है, कि वो जाना जाना चाहता है/ वो हमारे साथ संबंध बनाना चाहता है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: और क्या ये प्रभु चाहता है कि हम उसे जाने? दोस्तों इस सीरिज में हमारा लक्ष्य है कि आपको उत्पत्ति अध्याय १ से लेकर जाएं, और आपको केवल प्रभु ने जो कहा वही न बताए लेकिन साथ ही हम आपको दिखाएँगे कि प्रभु ने क्या किया, और ये जानकारी आज हम जानते हैं, ये चकित करनेवाला है/ और अगले हफ्ते हम चर्चा करेगे कि कैसे परमेश्वर ने संसार को फाइन ट्यून किया और कैसे प्रभु ने समझदारी से हमारा संसार बनाया/ आशा करता हूँ कि आप जुड़ जाएंगे/

पी ओ बॉक्स 8977

Chattanooga, TN 37414

जे ए शो डॉट ऑर्ग

001-423-892-7722

Copyright 2015 ATRI